THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA):

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Polythene Lying uncleared by Bombay Customs

*297. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that more than 100 tons of High Density polythene and 500 tons of Low, Density polythene have been lying uncleared by the Bombay Customs for over a period of two months;

(b) if so, the reasons thereof and the arrangements made to clear the goods; and

(c) whether the All India Plastic Manufacturers Association have lodged a complaint about blocking of raw material aggravating the situation and increasing the prices of these items particularly in view of the lock out strike in Union Carbide?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) No, Sir. No High Densit Polythylene or Low Densit Polythylene has been lying uncleared by the Bombay Customs for a period of two months.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

इण्डेन गैस की सप्लाई

*298. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा : क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय इण्डेन गैस की सप्लाई के बारे में नई नीति क्या है तथा एक एजेंट को कितने गैस कनेक्शन देने का अधिकार मिलेगा;

(ख) इस समय समूचे देश में कुल कितने गैस कनेक्शन हैं ;

(ग) क्या सरकार वर्तमान एजेंटों को, जो पहिले ही काफी संख्या में गैस कनैक्शनों का कार्य कर रहे हैं, अतिरिक्त गैस कनेक्शनों के कार्य के लिए प्राधिकृत करेगी अथवा क्या इस कार्य के लिए नए एजेंटों को अधिकार देगी; और

(घ) उनके वितरण की नई व्यवस्था का ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) :(क) से (घ). सभी तेल कम्पनियों को इस आशय की हिदायतें दी गई हैं कि नये गैस कनैक्शनों के लिए वायदा करते समय, उन्हें और औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों की अपेक्षा घरेलू ग्राहकों अर्थात् वैयक्तिक घरेलू उपभोक्ताओं को तरजीह देनी चाहिये । साधारणतया गैस की पूर्ति केवल उन विशिष्ट प्रकार के उद्योगो को छोड़कर, जो किसी अन्य वैकल्पिक ईंधन का प्रयोग नही कर सके और जिनके लिए प्रौद्योगिकीय दृष्टिकोण से गैस अनिवार्य होती है, अन्य उद्योगों को नहीं की जाती है ।

इस समय देश में खाना पकाने की गैस के लगभग 28 लाख उपभोक्ता हैं । तेल कम्पनिया महानगरों और शहरों मे यहां की माग क्षमता, सुविधा सम्बन्धी अवस्थापना की उपलब्धता और इस प्रकार के इलाको में कार्य संचालन की मितव्ययी व्यवहार्यता के कारण यहां बड़े महत्वपूर्ण ढंग से खाना पकाने की गैस का विपणन करती रही हैं । खाना पकाने की गैस के सीमित मात्रा में उपलब्ध होने के कारण, इसके विपणन का सभी क्षेत्रो में विस्तार करना संभव नहीं हो सका है । वर्ष 1980 से देश में खाना पकाने की उपलब्धता में पूर्वानुमानित बड़े पैमाने पर वृद्धि हो जाने से निम्नलिखित बातों के आधार पर इसका विपणन यथा समय छोटे